पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 01.05.2017 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868002130

शिविर तैयारी आर्य कार्यकर्ता बैठकें

रविवार, 7 मई 2017

प्रातः 11 बजे, आर्य समाज, सूर्य निकेतन,पूर्वी दिल्ली

दोपहर 3.00 बजे

आर्य संन्यास आश्रम, दयानन्द नगर गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

कृप्या आर्य जन समय पर पंहुचे—अनिल आर्य

वर्ष-33 अंक-23 ज्येष्ठ-2074 दयानन्दाब्द 193 01 मई से 15 मई 2017 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 01.05.2017, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् हरियाणा के तत्वावधान में आर्य कन्या शिविर लोवाकलां में सम्पन्न

सुसंस्कृत नारी ही राष्ट्र का आधार - राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य

शनिवार, 22 अप्रैल 2017, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् हरियाणा के तत्वावधान में गत् रविवार, 16 अप्रैल 2017 से गुरूकुल लोवाकलां, बहादुरगढ़ में चल रहे ''आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर'' का आचार्या राजन मान की अध्यक्षता में सोल्लास सम्पन्न हो गया। प्रान्तीय मंत्री श्री श्रीकृष्ण दहिया ने कुशल संचालन किया। समापन के अवसर पर परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कहा कि सुसंस्कृत नारी ही राष्ट्र का आधार है, इन शिविरों से दीक्षित बालिकायें सुन्दर समाज की संरचना का कार्य करेंगी। आचार्य योगेन्द्र शास्त्री, डा. सोनिया दहिया, बलेश दहिया, प्रीति आर्या ने शिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर महामन्त्री महेन्द्र भाई, प्रि.सत्यभूषण भारद्वाज, डा. सत्येन्द्रपावड़िया, श्रीमती अजीत कौर, पूजा वर्मा, श्री ब्रह्मजीत आर्य, आचार्या विद्यावती, आचार्या मूर्तिदेवी, राजेन्द्र सिंह गालियान, सौरभ गुप्ता, अरूण आर्य, विद्यासागर शास्त्री (जीन्द), आदि उपस्थित थे। उद्घाटन में रामकुमार आर्य, वेदप्रकाश आर्य भी दिल्ली से पंहुचे। शिविर में 150 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया व सुन्दर योगासन, कराटे, लेजियम का प्रदर्शन किया।

हापुड़ आर्य समाज का उत्सव व गुरूकुल खेड़ाखुर्द में शिक्षक शिविर सम्पन्न

रविवार, 16 अप्रैल 2017, आर्य समाज, हापुड, उ.प्र. का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। आचार्य प्रकाश आर्य (मुहू), पं. महेन्द्रपाल आर्य के प्रवचन व पं.दिनेश पथिक के मधुर भजन हुए। चित्र में—परिषद् अध्यक्ष डा. अनिल आर्य का अभिनन्दन करते प्रधान श्री आनन्दप्रकाश आर्य, जिला सभा के प्रधान श्री विकास अग्रवाल, संयोजक श्री कुंवरपाल आर्य, प्रान्तीय महामंत्री श्री प्रवीन आर्या, शिक्षक सौरभ गुप्ता, गौरव आर्य। द्वितीय चित्र—दिनांक 28, 29, 30 अप्रैल 2017 को केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली ने ''शिक्षक अभ्यास शिविर'' का आयोजन प्रधान चौ.ब्रह्मप्रकाश मान की अध्यक्षता में गुरूकुल खेड़ाखुर्द, दिल्ली में किया। श्री सूर्यदेव व्यायामाचार्य के निर्देशन व श्री सौरभ गुप्ता के संयोजन में शिविर चला। परिषद् अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने शिविर का उद्घाटन किया व अपनी शुभकामनाऐं प्रदान की। आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ करवाया। चित्र में—डा. अनिल आर्य, श्री संजय मितल, श्रीमती प्रवीन आर्या, धर्मपाल आर्य, वीरेन्द्र योगाचार्य, आचार्य सुधांशु जी, गुरूकुल के मंत्री श्री मनोज मान, श्री सूर्यदेव आर्य, मेहताब मान व प्रकाश मुनि जी। आचार्य सत्यप्रिय जी, रामकुमार सिंह, वेदप्रकाश आर्य, कमल आर्य, श्री योगेन्द्र शास्त्री, दुर्गाप्रसाद शर्मा, मनोज शास्त्री, संजय आर्य, श्री कृष्ण दहिया, अरूण आर्य, माधव सिंह, अनुज आर्य, आशीष सिंह, रोहित आर्य, प्रदीप आर्य, शिवम मिश्रा, दीपक आर्य, प्रणवीर आर्य, गौरव आर्य, युवा नेता सुनील मान, देव राणा, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 38वें स्थापना दिवस पर आर्य नेता श्री अमरनाथ गोगिया की अध्यक्षता में भव्य संगीत संध्या — पं. दिनेश पथिक (अमृतसर) द्वारा

शनिवार, 3 जून 2017, शाम 6 बजे स्थानः आर्य समाज,कबीर बस्ती,पुरानी सब्जी मण्डी,दिल्ली—7

यज्ञः— सायं 5 बजे आचार्य महेन्द्र भाई के ब्रह्मत्व में होगा। प्रीति—भोज : रात्री—7.30 बजे से 8.30 बजे तक

आप सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं

निवेदक

ओमप्रकाश आर्य	डा.अनिल आर्य	देवेन्द्र भगत	सुनील खुराना
प्रधान	कार्यकर्ता प्रधान	मन्त्री	कोषाध्यक्ष

तपोवन आश्रम देहरादून में स्वामी दीक्षानन्द स्मृति दिवस समारोह

रविवार, 14 मई 2017,प्रातः 7 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक, स्थानः वैदिक साधन आश्रम,तपोवन,देहरादून

आर्यो हजारों की संख्या में पंहुचे, यथोचित सुन्दर प्रबन्ध हेतु मंत्री श्री प्रेमप्रकाश शर्मा जी,फोनः9412051586. को पूर्व सूचित कर देवें। दिल्ली से जाने के लिये स्पेशल बसों की व्यवस्था रहेगी जो कि वीरवार 11 मई को रात्री 10 बजे चलेगी और 12 मई प्रातः हरिद्वार भ्रमण,सायं 3 बजे हरिद्वार से चलकर तपोवन आश्रम पंहुचेगी, शुक्रवार 12 मई व शनिवार, 13 मई को आश्रम यज्ञ—उत्सव में रहेंगे, रविवार, 14 मई 2017 को समारोह के पश्चात दोपहर 2 बजे देहरादून से चल कर रात्री 10 बजे दिल्ली वापिस पंहुचेगी। सीट बुकिंग हेतु सम्पर्क करें—महेन्द्र भाई—9013137070, प्रवीन आर्य—9911404423, अरूण आर्य—9818530543, देवेन्द्र भगत—9312406810, उर्मिला आर्या—9711161843।

महानतम व श्रेष्ठतम पुरुष वेदर्षि दयानन्द

– मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून।

संसार में सृष्टि के आदि काल से जो मनुष्य उत्पन्न हुए हैं उनकी गणना करना सम्भव नहीं है। कारण यह है कि ईश्वर की यह सृष्टि अनन्त है। जीवात्माओं की संख्या भी अनन्त है। यह अनन्त जीवात्मायें इस पृथिवी लोक व ब्रह्माण्ड के अन्य पृथिवी सदृश लोकों में अपने कर्मानुसार मनुष्य आदि योनियों मे जन्म लेती रहती हैं। मनुष्य की औसत आयु यदि हम एक सौ वर्ष भी मान लें तो सृष्टि के विगत के 1.96 अरब वर्षों के सृष्टि काल में एक जीवात्मा का 1.96 करोड़ से अधिक बार जन्म हो चुका है। इन जीवात्माओं में मनुष्यों सहित नाना प्राणियों के रूप में संससार में जन्म लिया है। इनमें मनुष्यों की ही संख्या की बात करें तो सृष्टि में विद्यमान असंख्य जीवात्माओं के लगभग 2 करोड़ बार जन्म हो चुके हैं। इन सभी जीवात्माओं में यदि श्रेष्ठतम व महानतम् मनुष्य की बात करें तो ज्ञात पुरुषों में हमें ऋषि दयानन्द महानतम् पुरुष दृष्टिगोचर होते हैं। ऋषि दयानन्द और महाभारत से पूर्व राम व कृष्ण आदि महापुरुषों के नाम इतिहास में वर्णित हैं। अनेक ग्रन्थों के लेखक ऋषियों का वर्णन भी मिलता है परन्तु उनका काल बहुत पुराना होने व उनका सम्पूर्ण इतिहास ठीक ठीक विदित न होने से हम उनकी तुलना ऋषि दयानन्द से नहीं कर सकते। हो सकता है कि अनेक ऋषि व महापुरुष ऋषि दयानन्द जी से महान हुए हों परन्तु ऋषि दयानन्द का जो जीवन चरित हमारे समक्ष उपस्थित है, उसके आधार पर हम कह सकते हैं कि ऋषि दयानन्द किसी भी महान पुरुष से कमतर नहीं थे। यह बात हम भावनाओंवश नहीं कह रहे हैं अपितु इसके पीछे हमारे कुछ समुचित तर्क व आधार हैं।

किसी व्यक्ति का मूल्याकंन उसके व्यक्तित्व व कृतित्व से होता है। ऋषि दयानन्द (1825–1883) गुजरात में एक शिवभक्त पौराणिक पिता के परिवार में जन्में थे। उनके समय में सारा देश ही नहीं अपितु समस्त विश्व अविद्या, अन्धविश्वासों, पाखण्डों व मिथ्या पूजा पद्धतियों से त्रस्त था। सामाजिक असमानता अपनी चरम सीमा पर थी। समाज में बहुपत्नी प्रथा विद्यमान थी। निर्धन व असहाय लोगों का लालच व बल प्रयोग कर मुल्ला व मौलवी सहित पादरी आदि धर्मान्तरण कर उन्हें अपने मत में सम्मिलित कर लेते थे। समाज में छुआछूत व ऊंच–नीच की भावना विद्यमान थी। समाज जन्मना जाति के भयंकर कुचक्र में फंसा हुआ था। बेमेल विवाह होते थे। बाल विवाह प्रचलित थे। बाल विधवाओं के आर्तनाद वा दुःखों का वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता। मनुष्यता समाज में कहीं दिखाई नहीं देती थी। विद्या के केन्द्र पाठशालाओं का देश में अभाव था। अक्षर ज्ञान व भाषा का अल्प ज्ञान ही बहुत समझा जाता था। संस्कृत व संस्कृति विलुप्ति के कागार पर थे। गुण, कर्म व स्वभाव के अनुसार विवाह व वर्णव्यवस्था पूर्णतयः विलुप्त हो चुकी थी। वेद विलुप्त प्रायः थे। यदि कहीं थे तो भी उनके सत्य अर्थों का किसी को ज्ञान नहीं था। वेदों व उनके सत्य अर्थों का अध्ययन देश भर में समाप्त हो चुका था। देश पहले मुसलमानों का दास बना और उसके बाद अंग्रेजों का दास बना। जो कुछ हिन्दू राजा स्वतन्त्र थे उनके राज्य में भी प्रजा को शिक्षा की सुलभता व न्याय की प्राप्ति नहीं होती थी। ऐसे विपरीत समय में ऋषि दयानन्द का जन्म हुआ था। हमें लगता है कि ऐसा अ अन्धकारमय वातावरण इससे पूर्व के किसी महापुरुष के समय में नहीं रहा था। ऐसी विषम परिस्थितियों में ऋषि दयानन्द को अपने पिता करषनजी तिवारी जी के साथ सन् 1839 की शिवरात्रि के दिन व्रत व जागरण करते हुए शिवलिंग पर चूहों को क्रीड़ा करते देख मूर्ति के रूप में उसके सच्चे शिव होने पर शंका व अश्रद्धा उत्पन्न हुई थी। पिता उनके प्रश्नों का समुचित उत्तर नहीं दे सके थे। अतः उन्होंने मूर्तिपूजा करना छोड़ दिया था। 14 वर्ष के एक बालक की यह कैसी प्रबुद्ध आत्मा थी कि वह अपने पिता व परिवार वालों की बात मानने को तैयार नहीं था। परिवार के बड़े वा छोटे किसी सदस्य में यह क्षमता नहीं थी कि उस बालक दयानन्द वा मूलशंकर के प्रश्नों वा शंकाओं का समाधान कर सके। अतः सत्य की खोज को दयानन्द जी को अपने जीवन का मिशन बनाना पड़ा और इसी कारण उन्होंने अपनी आयु के 22 वें वर्ष में गृह त्याग कर दिया और अपना जीवन सत्य ग्रन्थों की खोज, उनके अध्ययन, विद्वानों व योगियों से पठन पाठन व योग सीखने में लगाया। सन् 1857 का वर्ष ऋषि के जीवन काल में आता है। ऋषि ने इस अवधि की अपने जीवन की घटनाओं का उल्लेख नहीं किया। उनकी रूचि सच्चे ईश्वर की प्राप्ति व योग विद्या सीखने में थी परन्तु उनके परवर्ती जीवन एवं विचारों को देखकर यह नहीं कहा जा सकता कि वह इस संग्राम में इससे दूर रह पाये होंगे? इस अवधि में गुजरात के द्वारिका में बाघेर लोगों का अंग्रेजों के विरुद्ध वीरतापूर्वक युद्ध का चित्रण करने से दयानन्द जी का इस घटना का प्रत्यक्षदर्शी होना भी सिद्ध होता है। सन् 1860 में वह गुरु विरजानन्द सरस्वती की संस्कृत पाठशाला मथुरा में उनसे पढ़ने के लिए आते हैं और लगभग तीन वर्ष उनके सान्निध्य में उनके अन्तेवासी बनकर उनसे आर्ष व्याकरण, जो वेदार्थ में प्रमुख रूप से सहायक है, उसका तलस्पर्शी अध्ययन करते हैं। सन् 1863 में उनका अध्ययन समाप्त हो जाता है। वह गुरु दक्षिणा देकर गुरु के परामर्श वा आज्ञा एवं साथ हि अपने विवेक से देश से अविद्या व दासता दूर करने का संकल्प लेकर स्वयं को देश हित के लिए सर्वात्मा समर्पित कर देते हैं।

कार्यक्षेत्र में अवतीर्ण होकर आपने अज्ञान, असत्य मान्यताओं, असत्य वा अयुक्त परम्पराओं एवं अविद्या का खण्डन आरम्भ कर दिया। उन्होंने अपने निजी प्रयासों से धौलपुर वा किसी निकटवर्ती स्थान से चार वेद प्राप्त किये और सम्भवतः राजस्थान के करौली में कुछ सप्ताह व महीने रहकर उनका अनुशीलन व पर्यालोचन किया। अपने यौगिक बल व विद्या से वेद के सिद्धान्तों व मान्यताओं को जानकर आप इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि चार वेद सृष्टि के आरम्भ में उत्पन्न ईश्वर ज्ञान की पुस्तकें हैं। इसका विस्तार से वर्णन ऋषि दयानन्द ने सत्यार्थप्रकाश व अपने अन्य ग्रन्थों में किया है। ऋषि की मान्यता है कि सृष्टि के आरम्भ में ईश्वर ने अमैथुनी सृष्टि कर मनुष्यों को बड़ी संख्या में युवावस्था में उत्पन्न किया था। इन मनुष्यों में चार ऋषि अग्नि, वायु, आदित्य व अंगिरा थे जिनकी आत्माओं ने ईश्वर ने अपने जीवस्थ व सर्वान्तर्यामी स्वरूप से इन चार ऋषियों को एक–एक वेद यथा ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद का ज्ञान दिया था। वेद ज्ञान के साथ संस्कृत भाषा व मन्त्रों के शब्दार्थ व पदार्थ का ज्ञान भी परमात्मा ने इन चार ऋषियों को दिया था। इन ऋषियों ने इन चार वेदों का ज्ञान ब्रह्मा जी को दिया तथा इसके बाद इन ऋषियों द्वारा अन्य सभी स्त्री वा पुरुषों को वेद पढ़ाये गये। यही परम्परा महाभारतकाल तक अबाध रूप से चली जिसके अप्रचलित होने पर ऋषि दयानन्द व उनके शिष्य स्वामी श्रद्धानन्द जी, स्वामी सर्वदानन्द, पं. ब्रह्मदत्त जिज्ञासु जी आदि ने आर्ष संस्कृत व्याकरण की अध्ययन परम्परा का पुनरुद्धार किया। ऋषि दयानन्द के समय यह अध्ययन परम्परा गुरु विरजानन्द सरस्वती जी की मथुरा स्थित पाठशाला में विद्यमान थी जो उनकी मृत्यु पर समाप्त हो गई थी।

स्वामी जी संसार के सभी पुरुषों व महापुरुषों में महानतम थे। इसका कारण यह है कि उन्होंने अविद्या के नाश और विद्या की वृद्धि का स्वयं संकल्प लिया और आर्यसमाज के नियमों में इसको स्थान दिया। सत्य विद्या के निर्भ्रान्त ग्रन्थ संसार में केवल वेद हैं। इन ग्रन्थों से ही सत्य विद्यायें दर्शन, ज्योतिष, व्याकरण व निरुक्त, आयुर्वेद सहित उपनिषद व स्मृति आदि ग्रन्थों में गई हैं। ईश्वर, जीवात्मा व प्रकृति का सच्चा व पूर्ण यथार्थ स्वरूप वेदों में ही सर्वप्रथम ईश्वर द्वारा प्रकाशित किया गया है। वेदों में सभी सत्य विद्यायें हैं। इन वेदों का भाष्य भी ऋषि दयानन्द ने आरम्भ किया और मृत्यु पर्यन्त करते रहे। कुछ अवशिष्ट भाग का भाष्य उनके अनेक शिष्यों ने पूरा किया है। ऋषि दयानन्द ने सत्यार्थप्रकाश आदि वेद के पूरक महत्वपूर्ण ग्रन्थ लिखे हैं जो सत्य ज्ञान के संसार के सर्वप्रमुख ग्रन्थ हैं। 16 संस्कारों को पुनः प्रचलित करने का श्रेय भी ऋषि दयानन्द को है। इसके लिए उन्होंने संस्कार विधि ग्रन्थ का प्रणयन किया। उन्होंने सभी अन्ध विश्वासों व परम्पराओं का का खण्डन ज्ञान, तर्क,युक्ति व शास्त्रों के प्रमाणों से किया है। उन्होंने वेदों की सत्य मान्यताओं का मौखिक व लिखित रूप से प्रचार किया। इसके लिए उन्होंने अनेक अवसरों पर विद्वानों से शास्त्रार्थ वा शास्त्र चर्चायें भी कीं। सामाजिक असमानता को दूर करने में भी उनकी प्रमुख व प्रशंसनीय भूमिका है। देश की आजादी में ऋषि दयानन्द और उनके आर्यसमाज का मुख्य योगदान है। आजादी का लिखित रूप में मूल मन्त्र सबसे पूर्व ऋषि दयानन्द ने ही दिया था। उन्होंने अंग्रेजों के भय की चिन्ता नहीं की थी जिस कारण वह षडयन्त्र का शिकार हुए और 30 अक्तूबर, सन् 1883 को अजमेर में उनका देहरादून हुआ। उन्हें विषपान कराया गया था। मृत्यु में चिकित्सक डा. अलीमर्दान की त्रुटियां मुख्य कारण रहीं। ऋषि दयानन्द ने आर्यसमाज की स्थापना कर 10 स्वर्णिम सिद्धान्त भी दिये हैं। देश व समाज से अज्ञान, अविद्या, अन्धविश्वास, मिथ्यापूजा व देश की गुलामी को दूर करने और साथ ही शिक्षा के प्रचार व सामाजिक न्याय की दृष्टि से उनका योगदान अन्यतम है। हमने इस लेख में अति संक्षिप्त रूप में ऋषि दयानन्द के कार्यों पर प्रकाश डाला है। यदि ऋषि दयानन्द न आते तो हम देश के पतन की सीमा का अनुमान भी शायद नहीं लगा सकते। अपने कार्यों के कारण ऋषि दयानन्द ने इस देश व विश्व को पतन में गिरने से बचाया और पतन के कारण अविद्या को दूर किया। अपने कार्यों के कारण वह इतिहास में अन्यतम महापुरुष वा महानतम पुरुष सिद्ध होते हैं। संसार ने अपनी अविद्या व स्वार्थों के कारण उनके महत्व को अभी भलीप्रकार से समझा नहीं है। उन्होंने संसार के सभी प्राणियों के कल्याण को अपनी दृष्टि में रखकर सत्य ईश्वर ज्ञान वेद अर्थात् विद्या वा ज्ञान का प्रचार किया जिसे जान व समझ कर ही मनुष्य अविद्या से दूर होकर ईश्वर व मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। सभी दुःखों से सर्वथा दूर होना अर्थात् ईश्वर वा मोक्ष की प्राप्ति सहित जन्म मरण से छुट्टी ही मनुष्य जीवन का उद्देश्य है जो केवल वेद की शरण में आकर वेद की शिक्षाओं का आचरण करने से ही प्राप्त होता है। अज्ञान दूर करने और विद्या का प्रकाश करने के लिए संसार की सारी मानव जाति सदा सदा के लिए ऋषि दयानन्द की ऋणी है और सदा रहेगी। –196 चुक्खूवाला–2, देहरादून–248001, फोनः09412985121

सार्वदेशिक सभा की बैठक 21 मई को

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की अंतरंग सभा की बैठक रविवार, 21 मई 2017 को प्रातः 10 बजे सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी की अध्यक्षता में महर्षि दयानन्द भवन, आसिफ अली रोड, नई दिल्ली में होगी। कृपया सभी सभासद् समय पर पंहुचे

– डा.अनिल आर्य, उपप्रधान सभा

आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर

आर्य समाज,सन्देश विहार, पीतमपुरा, दिल्ली
भव्य उद्घाटनः रविवार, 21 मई 2017, सांय 5 बजे
एवम्
भव्य समापनः रविवार, 28 मई 2017,
प्रातः 11 बजे से 1.30 बजे तक
आप सभी आर्य जन बालिकाओं को आशीर्वाद देने सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं
नोटः सभी बालिकाऐं रविवार, 21 मई को दोपहर 12 बजे रिपोर्ट करें।

निवेदक–
उर्मिला आर्या अर्चना पुष्करना सीमा कपूर

आर्य समाज वजीरपुर जे.जे.कालोनी, दिल्ली का स्वर्ण जयन्ती समारोह सम्पन्न

रविवार, 30 अप्रैल 2017, आर्य समाज, वजीरपुर जे.जे.कालोनी, दिल्ली का स्वर्ण जयन्ती समारोह दिनांक 28,29,30 अप्रैल 2017 को सोल्लास मनाया गया। समारोह का उद्घाटन केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने ओ3म् ध्वज फहराकर किया। चित्र में–डा.अनिल आर्य को सम्मानित करते सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी,समाज के प्रधान आचार्य प्रेमपाल शास्त्री,मन्त्री श्री भूदेव आर्य,उतरी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के प्रधान श्री ओम सपरा,संतोष शास्त्री,विजय आर्य(पंचकुला),आचार्य अभयदेव शास्त्री । द्वितीय चित्र में–दानवीर ठाकुर विक्रम सिंह जी बालिकाओं को पुरस्कार वितरित करते हुए । साथ में श्री ओम सपरा,आचार्य प्रेमपाल शास्त्री व डा.अनिल आर्य। श्री प्रेमकुमार सचदेवा,श्री वेद भगत, श्री जीवनलाल आर्य, यशपाल शास्त्री, कुंवरपाल शास्त्री, डा. नरेन्द्र वेदालंकार, पं.मेघश्याम वेदालंकार, वीरेश आर्य, राधेश्याम आर्य, देवेन्द्र भगत, धर्मपाल आर्य, माधव सिंह, योगेश आर्य आदि गणमान्य आर्य जन उपस्थित थे।

आर्य समाज, मयूर विहार, फेज-1, दिल्ली व सुन्दर विहार का उत्सव सम्पन्न

रविवार, 23 अप्रैल 2017, आर्य समाज, मयूर विहार,फेज–1, दिल्ली का उत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में–वैदिक विद्वान पं.गणेशदत शर्मा के साथ मन्त्री श्री अमीरचन्द रखेजा, पूर्व राजदूत श्री विद्यासागर वर्मा, श्री नरेन्द्र आहूजा 'विवेक',डा. अनिल आर्य व श्री वीरेन्द्र महाजन। द्वितीय चित्र–रविवार, 16 अप्रैल 2017, आर्य समाज, सुन्दर विहार, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ,चित्र में–वैदिक विद्वान डा.धर्मेन्द्र शास्त्री के साथ डा.अनिल आर्य, मन्त्री श्री अमरनाथ बत्रा,संरक्षक श्री जगदीश वर्मा,श्री हीरालाल चावला,श्री जगदीश नागिया, प्रधान श्री कंवरभान खेत्रपाल जी आदि।

आर्य समाज वेद मन्दिर पीतमपुरा व मुलतान नगर, दिल्ली का उत्सव सम्पन्न

रविवार, 23 अप्रैल 2017, आर्य समाज वेद मन्दिर पीतमपुरा, दिल्ली के तत्वावधान में कोहाट एनक्लेव, दिल्ली के पार्क में ''वैदिक संत्संग'' का भव्य आयोजन किया गया। चित्र में–आचार्य देव आर्य भजन प्रस्तुत करते हुए, साथ में डा.अनिल आर्य, आचार्य सुखपाल शास्त्री। मन्त्री श्री सोहनलाल आर्य ने कुशल संचालन किया व प्रधान श्री व्रतपाल भगत ने धन्यवाद किया। श्री ओमप्रकाश नागिया, माता सुशीला सेठी, उर्मिला आर्या, ओमप्रकाश आर्य, सोहनलाल मुखी आदि भी उपस्थित थे। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, मुलतान नगर, दिल्ली का उत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में–मुख्य यज्ञमान परिवार का स्वागत करते हुए डा. अनिल आर्य, प्रधान श्री राजकुमार आर्य, माता शकुन्तला सेठ आदि। श्री महेन्द्र बूटी, प्रेम बिन्द्रा आदि भी उपस्थित थे।

आर्य समाज, सैक्टर-15, रोहिणी व सन्देश विहार में स्वामी जीवनानन्द स्मृति दिवस सम्पन्न

रविवार, 30 अप्रैल 2017, आर्य समाज, सैक्टर–15, रोहिणी, दिल्ली का उत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। पं.सुरेश शास्त्री (फरीदाबाद) के भजन हुए। चित्र में–पुरस्कृत बच्चों के साथ डा. अनिल आर्य, उर्मिला आर्या, डा.रचना विमल दूबे, हरिओम आकाश, प्रभा आर्या, विजय प्रशान्त, धर्मपाल आर्य आदि। द्वितीय चित्र–स्वामी जीवनानन्द जी सरस्वती का प्रथम स्मृति दिवस आर्य समाज, सन्देश विहार, दिल्ली में मनाया गया। चित्र में डा. अनिल आर्य संस्मरण सुनाते हुए, साथ में संयोजक आचार्य विजयभूषण आर्य, आचार्य नरेन्द्र मैत्रेय, आचार्य आनन्द जी। श्री दुर्गेश आर्य, श्री धर्मपाल आर्य, श्रीमती सीमा कपूर, डा.विशाल आर्य, श्री देवमित्र आर्य, श्री वेदप्रकाश आर्य (रोहतक),महात्मा शशि मुनि, श्री एस.के.आहूजा, डा.सुषमा आर्या, श्री विजेन्द्र आनन्द, श्री प्रेमकुमार सचदेवा, श्री प्रकाशवीर बत्रा, श्री हरीश बत्रा आदि गणमान्य आर्य उपस्थित थे।

रमेश नगर में वैदिक प्रवचन

रविवार, 30 अप्रैल 2017,आर्य समाज,रमेश नगर,दिल्ली में स्वामी विवेकानन्द जी (रोजड़) के प्रवचनों का भव्य समापन हुआ। चित्र में प्रधान श्री नरेन्द्र आर्य 'सुमन' के साथ डा.अनिल आर्य, रामचन्द्र सिंह,विकास शास्त्री व रणजीत जी।

शोक समाचार: विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्री योगराज चड्डा (पति श्रीमती कृष्णा चड्डा) का निधन।
2. माता सुशीला त्यागी (आर्य समाज, मस्जिद मोठ, नई दिल्ली) का निधन।
3. बहिन चन्द्रा (शिक्षक राकेश आर्य, प्रेमनगर की बहन) का निधन।
4. वैदिक विद्वान श्री सत्येन्द्र आर्य (मेरठ) का निधन।
5. श्री योगराज रल्ली (पूर्व प्रधान, आर्य समाज, आदर्श नगर, दिल्ली) का निधन।
6. श्रीमती सोनु देवी, 104 वर्ष (दादी अनुज आर्य, नरेला) का निधन।
7. श्री भारत भूषण नारंग (आर्य समाज, मुखर्जी नगर, दिल्ली) का निधन।
8. श्री ब्रह्मप्रकाश गुप्ता (अनुज श्री आनन्दप्रकाश गुप्ता,पंचदीप) का निधन।
9. साधवी अरूणा दीदी (योग निकेतन, पंजाबी बाग) का निधन।
10. आचार्य सत्यानन्द नैष्ठिक का निधन।
11. श्रीमती निर्मल सचदेवा 'नीरा' (आर्य समाज,पटेल नगर,दिल्ली) का निधन।

जहां नहीं होता कभी विश्राम ॥ ओ३म् ॥ आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का आह्वान

हम मस्तों में आन मिले कोई हिम्मत वाला रे

हमारा लक्ष्य मातृ पितृ भक्त, ईश्वर भक्त, देशभक्त, चरित्रवान युवा पीढ़ी का निर्माण

1. राष्ट्रीय युवक चरित्र निर्माण शिविर

शनिवार 10 जून से रविवार 18 जून 2017 तक

स्थान : ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल, सैक्टर 44, नोएडा

सम्पर्क : श्री सौरभ गुप्ता- 9971467978, श्री अरुण आर्य - 9818530543

2. दिल्ली आर्य कन्या शिविर

रविवार 21 मई से 28 मई 2017 तक

स्थान : आर्य समाज, संदेश विहार, पीतमपुरा, दिल्ली

उर्मिला आर्या-9711161843, अर्चना पुष्करणा-9899555280 सीमा कपूर-9968850921

3. बहादुरगढ़ आर्य कन्या शिविर

रविवार 16 अप्रैल से रविवार 23 अप्रैल 2017 तक

स्थानः गुरूकुल लोवा कलां, बहादुरगढ़, हरियाणा

श्रीकृष्ण दहिया (प्रांतीय मंत्री)-9812781154, डॉ. राजन मान-9416054033

4. राजस्थान प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

रविवार 4 जून से रविवार 11 जून 2017 तक

डी.वी.एम. पब्लिक स्कूल, नारनौल रोड, बहरोड़, जिला अलवर

सम्पर्क : आचार्य रामकृष्ण शास्त्री-09887669603 मा. सत्यपाल आर्य-9001982643

5. हरियाणा प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

रविवार 4 जून से रविवार 11 जून 2017 तक

स्थानः श्रद्धा मन्दिर स्कूल, सैक्टर-87, फरीदाबाद

डॉ. गजराज सिंह-9213771515, जितेन्द्र सिंह-9210038065, वीरेन्द्र योगाचार्य-9350615369

6. पलवल युवक निर्माण शिविर

सोमवार 12 जून से रविवार 18 जून 2017 तक

स्थानः दयानन्द उच्च विद्यालय, पातली गेट, पलवल, हरियाणा

सम्पर्कः स्वामी श्रद्धानन्द जी-9416267482, दिनेश आर्य-9813289555

7. कैथल युवक निर्माण शिविर

रविवार 28 मई से रविवार 4 जून 2017 तक

स्थानः गुरु ब्रह्मानन्द आश्रम, बणी, पुण्डरी, कैथल

सम्पर्क : राजेश्वर मुनी-9896960064, स्वामी बलेश्वरानन्द जी

8. राष्ट्रीय शिक्षक अभ्यास शिविर

शुक्रवार 28 अप्रैल से रविवार 30 अप्रैल 2017 तक

स्थानः गुरुकुल ग्राम खेड़ाखुर्द, दिल्ली-110082

सम्पर्कः श्री मनोज मान-9868174111, सूर्यदेव आर्य-9416615536

9. मध्य प्रदेश प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

बुधवार 31 मई से रविवार 4 जून 2017 तक

स्थानः नूतन हायर सेकेण्डरी स्कूल, सिहोर, मध्य प्रदेश

सम्पर्क : आ. भानुप्रताप वेदालंकार-09977967777, विजय राठौर-9826478295

10. उत्तराखण्ड योग-आयुर्वेद-प्राकृतिक चिकित्सा शिविर

रविवार 03 अप्रैल से 09 अप्रैल 2017 तक

स्थान : गुरुकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार, पौढ़ी गढ़वाल

सम्पर्क : ब्र. विश्वपाल जयन्त-09837162511

11. जम्मू-कश्मीर युवक निर्माण शिविर

सोमवार 26 जून से रविवार 2 जुलाई 2017 तक

स्थान : आर्य समाज, जानीपुर, जम्मू

सम्पर्क : श्री सुभाष बब्बर-09419301915, रमेश खजुरिया-9797384053

12. उड़ीसा युवक निर्माण शिविर

रविवार 29 अप्रैल से 5 मई 2017 तक

स्थानः वेद व्यास संस्कृत महाविद्यालय, राऊरकेला, उड़ीसा

सम्पर्क : आचार्य धनेश्वर बेहरा-09337117429

13. जयपुर युवक निर्माण शिविर

सोमवार 19 जून से 25 जून 2017 तक

संस्कार भवन, जी. एस. सैनी नर्सिंग कालेज, रामपुरा रोड, जयपुर

सम्पर्क : श्री यशपाल यश-09414360248, डॉ. प्रमोद पाल-9828014018

14. देहरादून आर्य कन्या शिविर

रविवार 28 मई से शनिवार 3 जून 2017 तक

स्थान : आर्य समाज, सुभाष नगर, देहरादून

संरक्षकः ई. प्रेम प्रकाश शर्मा-9412051586, संयोजकः ओमप्रकाश मलिक-9411584016

15. कुमाऊं युवक निर्माण शिविर

मंगलवार 13 जून से 18 जून 2017 तक

स्थानः दिव्या ज्योति पब्लिक स्कूल, पुरड़ा गरुड़, बागेश्वर

संरक्षकः गोविन्दसिहं भण्डारी-09412930200, संयोजकः शंकर गोस्वामी-9411079503

16. हरिद्वार युवक निर्माण शिविर

रविवार 4 जून से रविवार 11 जून 2017 तक

स्थान : आर्य समाज, रूड़की, हरिद्वार, उत्तराखण्ड

संरक्षकः मानपाल सिंह, संयोजकः हाकिम सिंह-9058301000

17. हापुड़ आर्य कन्या शिविर

मंगलवार 23 मई से मंगलवार 30 मई 2017 तक

स्थानः आर्य कन्या इण्टर कॉलेज, स्वर्गआश्रम रोड, हापुड़ (उ.प्र.)

संरक्षकः आनन्द प्रकाश आर्य-9837086799, संयोजकः अल्का सिंघल-9927267726

18. झारखण्ड योग साधना शिविर

रविवार 21 मई से रविवार 28 मई 2017 तक

स्थानः आर्ष कन्या गुरुकुल, आर्य समाज हजारीबाग, झारखण्ड

सानिध्यः आचार्य संदीप जी, संयोजकः आचार्य कृष्णदेव कौटिल्य-9430309525

19. जीन्द युवक निर्माण शिविर

वीरवार 1 जून से वीरवार 8 जून 2017 तक

स्थानः स्वामी दयानन्द हाई स्कूल,भटनागर कालोनी, रोहतक रोड, जीन्द

संयोजकः आचार्य योगेन्द्र शास्त्री-9416138045

20. करनाल युवक निर्माण शिविर

बुधवार 31 मई से रविवार 4 जून 2017 तक

स्थानः आर्य समाज प्रेम नगर, करनाल, हरियाणा

स्वतन्त्र कुकरेजा-9813041360, अजय आर्य-9416128075, रोशन आर्य-9812020862

हम अभावों के बावजूद रहते हैं नम्बर वनः यानी सबसे आगे

निवेदक

डा. अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	रामकुमार सिंह	गवेन्द्र शास्त्री	धर्मपाल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय बौद्धिकाध्यक्ष	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
9810117464	9013137070	9868064422	9810884124	9871581398

केन्द्रीय कार्यालयः आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, फोन-9868661680, 9958889970

Email: aryayouth@gmail.com Website: www.aryayuvakparishad.com Join-http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

Printed by: # PrintoGraph 9818950391

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970